RESEARCH REVIEW JOURNALS
Volume-04
Issue-03
March-2019

ISSN: 2455-3085 (Online)
RESEARCH REVIEW International Journal of Multidisciplinary
www.rrjournals.com[UGC Listed Journal]

हरियाणा सरकार द्वारा शिक्षित बेरोजगार युवाओं के लिए चलाई गई सक्षम योजना का अध्ययन

संदीप दुहन

सहायक प्राध्यापक,समाजशास्त्र, बीसीईएमटी इंस्टीट्यूट, जींद (हरियाणा)

प्रस्तावना

भारत एक ऐसा देश है जिसने बेरोजगारी की एक बड़ी समस्या का सामना किया है एक व्यक्ति जो कार्य करने के लिए योग्य तथा तत्पर है लेकिन वह कार्य विहिन है के रूप में बेरोजगारी को परिभाषित किया जा सकता है । यह एक ऐच्छिक और अनैच्छिक बेरोजगारी की स्थिति है ।

दिसंबर 2002 में प्रकाशित योजना आयोग के इंडिया विजन–2020 नामक दस्तावेज के अनुसार भारत में चालू वर्ष तक लगभग 37.5 करोड़ श्रम शक्ति कार्यरत बताई गई और वर्ष 2010 तक इसमें 70 से 85 लाख व्यक्ति प्रतिवर्ष की दर से बढ़ोतरी हुई इस प्रकार वर्ष 2020 तक कुल 2 प्रतिशत वार्षिक वृद्धि दर के हिसाब से यह कुल 16 से 17 करोड़ तक पहुंच जाएगी । रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2002 में देश में बेरोजगारी की कुल संख्या 3.5 करोड़ रही । बेरोजगारी की दर विभिन्न प्रांतों और विभिन्न आयु वर्ग में भिन्न रही । कुल बेरोजगार व्यक्तियों में से ग्रामीण क्षेत्रों में बसने वाले लगभग तीन चौथाई लोग है बाकी में से लगभग 60 प्रतिशत लोग शिक्षित बेरोजगार बताए गए हैं । वर्ष 2020 तक देश में 20 करोड़ अतिरिक्त रोजगार पैदा करने होंगे ताकि सभी लोगों को रोजगार उपलब्ध कराया जा सके । इस लक्ष्य को पूरा करने के लिए सरकार को अपनी आर्थिक नीति और रणनीति में प्रमुख बदलाव करने की आवश्यकता पर जोर दिया गया है ।

सक्षम योजना हरियाणा :

जैसा कि हम जानते हैं कि 1 नवम्बर 2016 को गुरुग्राम में हरियाणा राज्य की स्वर्ण जयंती का कार्यक्रम आयोजित किया गया था, इस उपलक्ष्य पर मुख्य अतिथि के रूप में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने कहा कि भारत एक गाँवों का देश है क्योंकि इसकी तीन चौथाई जनसंख्या ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करती है स्पष्टतः ग्रामीण कामगारों के लिए कृषि एक प्रमुख व्यवसाय है फिर भी कृषि उन लोगों के लिए एक लाभदायी रोजगार उपलब्ध नहीं करा सकती । भारत में गरीबी और बेरोजगारी लम्बे समय से एक अभिशाप के रूप में व्याप्त रहे हैं इनमें सुधार 1951–52 योजना काल के प्रारंभ से ही भारत से भारत के विकास कार्यक्रम का महत्त्वपूर्ण लक्ष्य रहा है एवं नियोजन प्रक्रिया गरीबों की आवश्यकताओं के प्रति संवेदनशील रही है तदनुसार भारत सरकार ने गरीबी और बेरोजगारी उन्मुलन के लिए समय–समय पर विभिन्न कार्यक्रमों को प्रारंभ किया और गरीबों के समुचित जीवनयापन के अवसर के रूप में रोजगार और लोकसेवाओं का सर्जन किया ।

1. इस योजना के तहत बेरोजगार छात्रों को वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी जिसमें ग्रेजुवेट या पोस्ट ग्रेजुवेट डिग्री होने के बावजूद भी किसी प्रकार की नौकरियाँ उपलब्ध नहीं हैं।
2. यह योजना हरियाणा राज्य के बेरोजगार उम्मीदवारों को लाभ प्रदान करने के लिए शुरू की गई है ।
3. हरियाणा राज्य की इस योजना के तहत बेरोजगार उम्मीदवारों को प्रति माह 100 घंटें काम उपलब्ध कराया जायेगा जिसके लिए उन्हें 9000 रुपए वेतन दिया जाएगा ।
4. यह योजना हरियााण के छात्र शिक्षित बेरोजगार युवाओं को उनके कौशल उनयन के लिए छूट प्रदान करना चाहती है ।
5. इस योजना के तहत युवाओं के कौशल को विकसित कर उन्हें सक्षम बनाने की उम्मीद है जिसे उन्हें रोजगार व स्वरोजगार के क्षेत्र में सक्षम किया जा सके ।

स्वरोजगार कार्यक्रम :

1. एकीकृत ग्रामीण विकास कार्यक्रम
2. स्वर्ण जयन्ती ग्राम स्वरोजगार योजना
3. जवाहर रोजगार योजना
4. राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना

इस दिन हरियाणा राज्य में "सक्षम शिक्षित युवा सम्मानित हुआ योजना की शुरूआत की गई । यह योजना सबसे अच्छी और बड़ी योजनाओं में से एक है । यह योजना हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर जी ने राज्य के शिक्षित बेरोजगार उम्मीदवारों के लिए लाभ प्रदान करने के लिए शुरू की है। यह योजना उन बेरोजगार छात्रों को पूरा लाभ देने के लिए है जिनके पास उच्च शिक्षा होने के बावजूद भी नौकरी नहीं है । हरियाणा राज्य इस योजना के तहत बेरोजगार उम्मीदवारों को प्रति माह 100 घंटे का काम उपलब्ध करा पाएगा जिनके लिए उन्हें 9000 रुपए का वेतन दिया जाएगा ।

सक्षम योजना के उद्देश्य :

RRIJM 2015, All Rights Reserved

1. इस योजना का मुख्य उद्देश्य ग्रेजुवेट या पोसटग्रेजुवेट छात्रों के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करना ।
2. यह योजना हरियाणा के पात्र शिक्षित बेरोजगार युवाओं की उनके कौशल उनयन के लिए छूट प्रदान करना चाहती है।
3. इस योजना के तहत युवाओं के कौशल को विकसित कर उन्हें सक्षम बनाने की उम्मीद है जिससे उन्हें रोजगार और राजगार के क्षेत्र में विकसित किया जा सके ।

इस योजना में पंजीकृत होने का तरीका :

1. पंजीकरण पेज के पहले कॉलम में आपसे हरियाणा के निवासी होने का पूछा जाएगा, तब अपनी जानकारी के अनुसार हाँ या ना पर क्लिक करें ।
2. पंजीकरण पेज के दूसरे कॉलम में निवासी के प्रकार के बारे में पूछा जाएगा तो आप इन जन्म स्थान, स्कूल छोड़ने का प्रमाण पत्र या किसी अन्य विकल्पों में से किसी एक का चयन करें ।
3. पंजीकरण पेज के तीसरे कॉलम में आपको अपनी जन्म तिथि डालनी होगी ।
4. पंजीकरण पेज के चौथे कॉलम में आपको अपना आधार नम्बर डालना होगा ।
5. पंजीकरण के पांचवें कॉलम में आपको अपना रोजगार पंजीकरण नम्बर डालना होगा ।

रोजगार पंजीकरण प्राप्त करने के लिए आपको हरियाणा के रोजगार सरकार के विभाग की आधिकारिक वेबसाईट पर जाना होगा, जहाँ आपको अपनी सारी जानकारी भी भरनी होगी फिर आप अपनी पूरी जानकारी उस फार्म में भरे और एन्टर कर दें ।इससे आपका पंजीकरण हो जाएगा, इसके बाद आपको एक पंजीकरण नंबर प्राप्त होगा जो आप रोजगार पंजीकरण नंबर वाले विकल्प में डालें । इसके बाद आपसे रोजगार कार्यालय का नाम पूछा जाएगा, जहाँ आप पंजीकृत हो तब आप दिए गए विकल्पों में से एक का चयन करें । पंजीकरण पेज पर पूरी जानकारी भरने के बाद पंजीकृत बटन पर क्लिक करें और आप सफलतापूर्वक सक्षम शिक्षित युवा सम्मानित हुआ योजना में पंजीकृत हो जाएंगें । सफलतापूर्वक पंजीकृत होने के बाद आप लॉगिन करने के लिए सक्षम हो जाएंगें । इसके बाद आपक भी भी सक्षम हरियाणा योजना के पोर्टल पर लॉगिन कर सकते हैं ।

सक्षम योजना के बारे में जरूरी जानकारी :

इस योजना के बारे में जरूरी जानकारी इस प्रकार है –

1. इस योजना के तहत वे युवा बेरोजगार है जो रोजगार कार्यालय के विभाग में पंजीकृत है उन्हें विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार दिया जाएगा ।
2. यह उल्लेखनीय है कि पूरे हरियाणा राज्य में 1100 के आस–पास युवा रोजगार कार्यालय में पंजीकृत है और अधिक से अधिक 30के पोस्ट ग्रेजुएट युवा रोजगार कार्यालय में पंजीकृत है । पहले पंजीकृत उम्मीदवारों के लिए रोजगार प्रदान करने का लक्ष्य है इसके बाद उन तक पहुँचा जाएगा जो पंजीकृत नहीं हुए हैं ।
3. इस योजना के तहत हरियाणा सरकार उम्मीदवारों की पहचान कर अलग–अलग पद पर प्राईवेट और पब्लिक बैंकों में नौकरियाँ प्रदान करेंगी । लगभग 51 बेराजगार युवा जो कि हिसार जिले से हैं उनके लिए नौकरियों की पेशकश की गई है।
4. इस योजना में हरियाणा राज्य के बेरोजगार छात्रों को रोजगार प्रदान करने के लिए हरियाणा सरकार ने 324 करोड़ रुपए का बजट तय किया है ।
5. हरियाणा राज्य के रहने वाले उम्मीदवारों को 5 या उससे अधिक सालों के लिए इस योजना के तहत लाभ मिलेगा ।

इस योजना में पंजीकृत होने की पात्रता :

→ उम्मीदवार हरियाणा का निवासी होना चाहिए ।
→ उम्मीदवार रोजगार कार्यालय में पंजीकृत होना चाहिए ।
→ उम्मीदवार ग्रेजुवेट या पोस्ट ग्रेजुवेट होना चाहिए
→ उम्मीदवार, हरियाणा, दिल्ली और चंडीगढ़ विश्वविद्यालय से पोस्ट ग्रेजुएट की डिग्री प्राप्त किए होने चाहिए
→ उम्मीदवार की उम्र 21 से 40 वर्ष के बीच होनी चाहिए ।
→ उम्मीदवार के परिवार की वार्षिक आय 3 लाख से कम होनी चाहिए ।
→ इस योजना के लिए उम्मीदवार ऑनलाईन पंजीकृत होना चाहिए।
→ उम्मीदवार के पास किसी भी प्रकार का रोजगार पहले से नहीं होना चाहिए ।

निष्कर्ष

देश में बेरोजगारों को नियोजन के अवसरों की जानकारी देने और उपलब्ध रोजगार की सूचनाएं देने और उपलब्ध रोजगार की सूचनाएं रखने में नियोजन कार्यालयों की वर्तमान भूमिका असंतोषजनक है आज भी लाखों की संख्या में रोजगार खोजने वाले, विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों के युवक अपने नाम इन कार्यालयों मेां दर्ज नहीं कराते। जिन लोगों के नाम नियोजन कार्यालयों में दर्ज किए जा चुके हैं । उन्हें भी इन कार्यालयों के जरिए रोजगार प्राप्त करने में कोई सहुलियत प्रदान नहीं की जाती । अतः रोजगार कार्यालयों को व्यावहारिक और उद्देश्यमूलक बनाने की आवश्यकता है।युवकों की प्रारंभ से ही व्यवसाय और कैरियर आधारित

RRIJM 2015, All Rights Reserved

शिक्षा प्रदत्त की जानी चाहिए । दुर्भाग्य से हमारे देश में व्यवहारिक शिक्षा का अभाव है ।

संदर्भसूची

- → Kim B. Clark, Lawrence H. Summers (1978) The Dynamics of Yough cinemployment. https://www.org
- → Adolege, J, (1985) 8 (2) : 109-24 Youth Unemployment Eea liv, and Walter Knowg (2000) Unemployment : Related Benifit system in Malaysia
- → Higgins Niall O, (2001) Youth Unemployment and employment policy a globle perspective. https://ideas.repec.org
- → S.K. Bhomic (2002) employment Diversification in Rural India a state level analysis.
- → Lea E. waters, (2003) coping with unemployment : aliteraturereview and presentation of a new model
- → Jill, L, (2009) Pennsylyania. Unemployment and arender employment in Rural Pennsylvania Determining policy options for reducing unemployment and underemployment in Rural
- → Mahendra, S. and Venkatomorayna (2009) Yuogh employment and unemployment in India
- → San Diago (2009) unemployment crime by Kangon lee department of economics state University.
- → गोर अर्जुन डावर भुपेन्द्र (2009) ग्रामीण लोगों में रोजगार की स्थिति, Journal of Madhya Pradesh Economics Association, p. 10
- → Deter Henkel(1990-2010) Unemployment and substance Use : A Review of the literature, Frankfurt University of applied science
- → Indira Gandhi Institute (2014) Uremployment Burden and its distribution : theory and evidence from India. Development Research in Mumbai.

RRIJM 2015, All Rights Reserved